Public education
Discover a world of opportunities

HINDI

प्री-प्राईमरी

हेलो प्री-प्राईमरी!

Department of **Education**

आपकी संतान के प्री-प्राईमरी शुरू करने पर क्या उम्मीद की जानी चाहिए।

CC BY

इसमें क्या जानकारी शामिल है

आपकी संतान का स्कूली सफर	4
शुरूआती अनुभव और मस्तिष्क का विकास	5
प्री-प्राईमरी अनिवार्य स्कूली शिक्षा की शुरूआत करना	6
मेरी संतान क्या सीखेगी?	8
हर रोज़ स्कूल जाना महत्वपूर्ण होता है	11
आप घर पर क्या कर सकते/सकती हैं	12
आपके एवं आपकी संतान के लिए और अधिक सुझाव	13

शीर्षक: हेलो प्री-प्राईमरी! आपकी संतान के प्री-प्राईमरी शुरू करने पर क्या उम्मीद की जानी चाहिए।

SCIS नम्बर: 1710398
ISBN: 978-0-7307-4564-8

© Department of Education Western Australia 2015

इस प्रकाशन को गैर-वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए किसी शैक्षिक संस्थान पर पूर्ण या आंशिक रूप से और किसी भी फॉर्मेट (प्रारूप) में स्वतंत्रतापूर्वक कॉपी किया जा सकता है।

यह सामग्री उचित वैकल्पिक फॉर्मेट (प्रारूपों) में अनुरोध किए जाने पर उपलब्ध है।

शिक्षा विभाग
151 Royal Street
East Perth WA 6004
टेलीफोन: 9264 5803
वेबसाइट: education.wa.edu.au

© Department of Education, Western Australia 2015

यह पुस्तिका आपके लिए उस समयावधि के दौरान उपयोगी है जब आपकी संतान प्री-प्राईमरी जाना शुरू करती है।

यह आपको बताती है कि प्री-प्राईमरी में किसी सामान्य दिन में क्या गतिविधियाँ होती हैं और इसमें आपकी संतान को स्कूल में अपना मन लगाने में मदद करने के सुझाव शामिल हैं।

आपकी संतान के सबसे पहले टीचर के तौर पर आपके द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका महत्वपूर्ण होती है। स्कूल के प्रारम्भिक वर्ष घर पर आपकी संतान को मिले अनुभवों पर आधारित होते हैं और ये उनके भविष्य की शिक्षा-प्राप्ति की नींव रखते हैं।

अपनी संतान की शिक्षा-प्राप्ति में मदद करने के लिए आप बहुत से कार्य कर सकते/सकती हैं।

यह पुस्तिका आपको सुझाव देती है कि आपकी संतान द्वारा प्री-प्राईमरी में हर रोज़ सीखने वाले कार्यों में अधिक रोचकता पैदा करने के लिए आप घर पर क्या कर सकते/सकती हैं।

उन मनोरंजक विचारों और गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान करने वाली हमारी विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन पुस्तिकाओं और सूचना-पत्रकों की खोज करें जिन्हें आप अपनी संतान के साथ अपने घर पर कर सकते/सकती हैं।
वेबसाइट: education.wa.edu.au

© Department of Education, Western Australia 2015

आपकी संतान का स्कूली सफर

बच्चे स्कूल जाना शुरू करने से पहले बहुत सी महत्वपूर्ण चीज़ें सीखते हैं।

वे घर पर आपसे सीखते हैं, मित्रों और परिवार से, स्थानीय प्लेग्रुप्स पर, चाइल्ड एंड पेरेंट सेंटरों (बाल एवं अभिभावक केन्द्रों) पर, और यदि वे किसी चाइल्ड/फैमिली डेकेयर में जाते हैं तो वहाँ पर और किंडरगार्टन में सीखते हैं। जब वे प्री-प्राईमरी जाना शुरू करते हैं तो ये सारी शिक्षा उनके काम आती है।

बच्चे उस परिस्थिति में सर्वोत्तम प्रकार से सीखते हैं जब उन्हें अपने परिवारों से सहायता मिलती है। अपनी संतान की शिक्षा-प्राप्ति से आप जितना जुड़े होते/जुड़ी होती हैं और आप टीचर से जितना अधिक बात करते/करती हैं, उतने ही अच्छे से आप दोनों अपनी संतान की मदद कर सकते हैं। स्कूल के साथ दृढ़ सहभागिता और टीचर के साथ नियमित संपर्क यह सुनिश्चित करता है कि आपकी संतान के पूर्ण रूप से स्कूली सफर की शुरूआत श्रेष्ठ प्रकार से होती है।

प्री-प्राईमरी में, आपकी संतान उन महत्वपूर्ण योग्यताओं का अधिक विकास करना जारी रखती है जिन्हें उसने घर पर आपके साथ विकसित किया होता है। हो सकता है कि इन योग्यताओं मे शामिल हो: आपकी संतान का उन चीज़ों के बारे में बात करने में सक्षम होना जो उसके लिए रूचिकर होती हैं; चित्र बनाना; लिखने का नाटक करना; रंगों, संख्याओं, आकारों व आकृतियों की पहचान करना; और दूसरों के साथ चीज़ें सांझा करना।

आपका उत्साह आपकी संतान को स्कूल में मन लगाने और हर रोज़ सीखे जाने वाले कार्यों पर गर्व महसूस करने में मदद करता है।

© Department of Education, Western Australia 2015

शुरूआती अनुभव और मस्तिष्क का विकास

बच्चों के मस्तिष्क 'निर्माणाधीन कार्य' के समान होते हैं!

जीवन के पहले कुछ वर्षों में, आपकी संतान के मस्तिष्क का विकास तेज़ी से होता है। जब वे तीन वर्ष के होते हैं, तो उनके 90 प्रतिशत मस्तिष्क का विकास हो चुका होता है – इसलिए इन प्रारम्भिक वर्षों में होने वाले अनुभव बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

आपके, आपके परिवार, मित्रों, स्कूल के कर्मचारियों और स्कूली समुदाय के अन्य लोगों के साथ स्नेह और देखरेख भरे सम्बन्ध आपकी संतान को सामाजिक, भावनात्मक और बौद्धिक रूप से विकास करने में मदद करते हैं।

बचपन की शिक्षा-प्राप्ति में खेलकूद विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है। खेलकूद बच्चों को कल्पना शक्ति व आभ्यासिक योग्यताओं का विकास करने, दूसरों के साथ संचार करने, चुनौतियों को स्वीकार करने और मनोरंजक व आनन्दायक तरीकों से समस्याओं का समाधान करने के अवसर प्रदान करता है।

गाना गाने, खेल खेलने, बातचीत करने, आरोहण करने, नाचने, पढ़ने, लिखने और चित्रकारी करने जैसे सभी काम मस्तिष्क को सोच-विचार करने और सीखने के तरीकों का विकास करने में मदद करते हैं।

© Department of Education, Western Australia 2015

प्री-प्राईमरी : अनिवार्य स्कूली शिक्षा की शुरूआत करना

एक वर्ष पार्ट-टाइम किंडरगार्टन जाने के बाद, आपकी संतान फुल-टाइम प्री-प्राईमरी में जाती है।

यह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में स्कूली शिक्षा का पहला अनिवार्य वर्ष है।

प्री-प्राईमरी कक्षा किंडरगार्टन कक्षा के समान ही लगती है जिसमें बच्चों की बहुत सी रचनाओं को प्रदर्शित किया गया होता है, और साथ ही कक्षा के चारों ओर चमकदार इश्तिहार और चार्ट लगाए गए होते हैं।

बच्चे प्री-प्राईमरी में अपनी स्कूल युनिफॉर्म पहनते हैं। युनिफॉर्म क्या है और इसे कहाँ से खरीदना है, इस सम्बन्धी और अधिक जानकारी के लिए अपने स्कूल से संपर्क करें।

कई स्कूल स्कूली साल के शुरू होने से पहले या टर्म के पहले कुछ सप्ताहों के दौरान पेरेंट इंफर्मेशन (अभिभावक सूचना) सत्रों का आयोजन करते हैं। इससे आपको टीचर और दूसरे परिवारों से मिलने, और यह पता लगाने का अवसर मिलता है कि वर्ष के लिए क्या नियोजित किया गया है। यदि आप इनमें उपस्थित नहीं हो सकते/सकती हैं, तो स्कूल से संपर्क करें या मुलाकात के अन्य समय की व्यवस्था करने के लिए टीचर से बात करें।

आपकी संतान की टीचर अक्सर लिखित जानकारी घर भेजती है और इन संदेशों को पढ़ने के लिए समय निकालना महत्वपूर्ण होता है।

स्कूल में आपकी सहभागिता आपकी संतान को शीघ्रता से स्कूल में मन लगाने में मदद करती है और आपको यह समझने में मदद करती है कि आप किस प्रकार सर्वोत्तम तरीके से उनका समर्थन कर सकते/सकती हैं।

© Department of Education, Western Australia 2015

दिन के दौरान क्या होता है?

आपकी संतान की टीचर आपको हर रोज़ दिन की शुरूआत में कक्षा में आने के लिए प्रोत्साहित करती है।

जहाँ संभव हो, इस महत्वपूर्ण समय को अपनी संतान के साथ के व्यतीत करने की कोशिश करें। इस समय आपको यह पता लगता है कि आपकी संतान स्कूल में क्या कर रही है और उनकी सहायता करने के लिए आप घर पर क्या कर सकते/सकती हैं।

याद से हर रोज़ अपनी संतान के लिए पौष्टिक स्नैक (अल्पाहार) और लंच पैक करें।

आपकी संतान की टीचर बच्चों की शिक्षा-प्राप्ति के लिए गतिविधियों का संतुलन बनाते हुए इनकी योजना बनाती है। हर दिन में कुछ शारीरिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं इसलिए यह सुनिश्चित करें कि आपकी संतान ने उचित कपड़े पहने हों।

ऐसे कुछ निर्धारित दिन हो सकते हैं जब आपकी संतान लाइब्रेरी से किताबें ले सकती है। इन दिनों को ध्यान में रखें और इन्हें घर पर कैलेंडर में नोट करें ताकि आप और आपकी संतान पहले से तैयार हों और एक साथ पढ़ने के लिए समय निकाल सकें।

प्री-प्राईमरी दिन की समाप्ति पर, आपको कक्षा से अपनी संतान को लेना होगा। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपकी संतान को पिक करने वाला है, तो पहले से स्कूल को इसकी सूचना दें ताकि टीचर को यह पता हो कि किसने आना है।

सन स्मार्ट बने! सुनिश्चित करें कि आपकी संतान हर रोज़ अपनी हैट अपने साथ लाती है और आप उसे हर रोज़ सनस्क्रीन लगाते हैं।

© Department of Education, Western Australia 2015

मेरी संतान क्या सीखेगी?

प्री-प्राईमरी आपकी संतान को व्यापक प्रकार की योग्यताएँ प्रदान करती है जिससे उन्हें दुनिया को समझने में मदद मिलती है। आपकी संतान साक्षरता और अंक-ज्ञान के बारे में और अधिक सीखती है, और अपनी व्यक्तिगत एवं सामाजिक योग्यताओं तथा रचनात्मक सोच-विचार, और शारीरिक कल्याण का विकास करती है। आपकी संतान प्रौद्योगिकी, कला, विज्ञान, मानविकी और सामाजिक शिक्षा, व भाषाओं में योग्यताओं का विकास करती है। आपकी संतान की टीचर बच्चों के अलग-अलग अनुभवों और इनकी पृष्ठभूमियों को ध्यान में रखती है, और इनकी क्षमताओं व शिक्षा-प्राप्ति की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कार्यक्रमों का लक्ष्य बनाती है।

अंग्रेज़ी सीखने का क्षेत्र

लिसनिंग और स्पीकिंग

आपकी संतान कक्षा, समूह और जोड़ियों में विचार-विमर्श करने के कार्यों में भाग लेती है। वे दूसरों की बात सुनती है और अपने सहपाठियों और ज्ञात वयस्कों के साथ घटे वृत्तातों व अनुभवों को दोबारा सुनाती है। वे बाल कविताओं, अक्षरों के स्वरूपों और शब्दों में ध्वनियों की पहचान और इनका प्रयोग करते हैं।

रीडिंग

कहानियों की पुस्तकों और फिल्मों के माध्यम से, आपकी संतान यह सीखती है कि कहानियाँ का तात्पर्य विचारों व भावनाओं से सम्बन्धित होता है, और इनमें किरदार और वृत्तांत शामिल होते हैं। हो सकता है कि टीचर आपकी संतान से कहानी में घटित होने वाले वृत्तांत बताने और किरदारों का वर्णन करने के लिए कहे। बाल कविताएँ, अक्षरों के स्वरूपों और शब्दों में ध्वनियों को सुनना शुरूआती रीडिंग के लिए महत्वपूर्ण है इसलिए कक्षा में कराई जाने वाली गतिविधियों में इनपर ध्यान दिया जाता है। आपकी संतान को अंग्रेज़ी वर्णमाला के अक्षरों की पहचान करना और इन्हें इनके द्वारा दर्शाए जाने वाली सबसे सामान्य ध्वनियों से जोड़ना भी सीखाया जाता है। आपकी संतान परिचित शब्दों और सहायक चित्रों वाले विभिन्न प्रकार के लघु और पूर्वानुमेय टेक्सट (विषय वाक्य) पढ़ती है।

© Department of Education, Western Australia 2015

राइटिंग

आपकी संतान बड़े और छोटे अक्षरों में अंतर सीखते हुए वर्णमाला के अक्षरों का प्रयोग करना जारी रखती है और अक्षरों की बनावट का प्रयोग करके लिखना शुरू करती है। अपनी लिखाई में, वे ज्ञात शब्दों और परिचित वाक्यों का प्रयोग करती है और बड़े अक्षरों और पूर्ण विराम का प्रयोग करना शुरू करती है। नए शब्दों के बारे में जानना यह दर्शाता है कि वे ध्वनि-अक्षर की जानकारी विकसित कर रहे हैं। आपकी संतान उच्च आवृत्ति के दृष्टि सम्बन्धी शब्दों का प्रयोग करना शुरू करती है, उदाहरणत: *the*, *is* और *was*.

गणित सीखने का क्षेत्र

संख्याएँ

आपकी संतान संख्याओं के नामों, अंकों व हिस्सों को जोड़ना शुरू करती है, इनमें ज़ीरो, शुरू में 10 तक, फिर 20 तक और फिर आगे की संख्याएँ शामिल हैं। कभी-कभी आपकी संतान को लग सकता है कि ज़ीरो का अर्थ 'नष्ट करना!' हो सकता है कि आपको यह विवरण करने की ज़रूरत पड़े कि इसका अर्थ कुछ नहीं या कोई नहीं हो सकता है।

आपकी संतान संख्याओं की समस्याओं को दर्शाना और इनका समाधान करना सीखती है, इसमें वस्तुओं की छोटी संख्याओं का योग करना, इन्हें हटाना, इन्हें वर्गीकृत और सांझा करना शामिल है। उदाहरणत: हो सकता है कि वे खेत के पशुओं के खिलौनों का प्रयोग करके यह दिखाएँ कि तीन गायें पशुओं के बाड़े में चार अन्य गायों के साथ खड़ी हैं और फिर वे यह हिसाब करें कि कुल कितनी गायें हैं।

आपकी संतान वस्तुओं का प्रयोग करके आकृतियों का निर्माण करना, इनकी नकल करना और इन्हें जारी रखना सीखती है। ये आकृतियाँ रंगों, आकारों और माप पर आधारित हो सकती हैं।

© Department of Education, Western Australia 2015

गणित की भाषा

आपकी संतान गिनती करना सीखती है, बढ़ते और घटते क्रम में संख्याओं का क्रमवार नाम लेना सीखती है और गणित की उचित भाषा का प्रयोग करना शुरू करती है, उदाहरणत: *कितना? कितने? और कितना लम्बा?* वे अपनी खेलों और गतिविधियों के लिए 'पर्याप्त' वस्तुओं को प्राप्त करने के लिए छोटी संख्याओं का प्रयोग करते हैं।

खेलों और गतिविधियों के दौरान, आपकी संतान इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करके वस्तुओं के आकार की तुलना करना शुरू करती है: *लम्बा, छोटा, ऊँचा, भारी, हल्का, मोटा और पतला*। वे समय से सम्बन्धित रोज़मर्रा की भाषा का प्रयोग करते हुए सप्ताह के दिनों को परिचित वृत्तांतों से जोड़ते हैं। उदाहरण के लिए, हो सकता है कि वे यह पहचान करें कि वे हर बुधवार स्कूल लाइब्रेरी जाते हैं।

आपकी संतान अलग-अलग आकार वाली वस्तुओं से सम्बन्धित शब्द सीखना शुरू करती है, उदाहरणत: *गेंद, वृत्त, वर्ग, घन, त्रिकोण और शुण्डाकार, साथ ही स्थिति दर्शाने वाले शब्द सीखना भी शुरू करती है, उदाहरणत: नजदीक, दूर, बीच में, नीचे, पीछे और सामने*।

ऑन-एंट्री (प्रवेश के समय) आंकलन

टर्म 1 के दौरान, प्री-प्राईमरी के सभी बच्चे लिटरेसी एंड न्यूमरेसी (साक्षरता एवं अंक-ज्ञान) के लिए आंकलन में भाग लेते हैं। इसमें कोई पास या फेल का दर्जा नहीं होता है। टीचर भाषा, रीडिंग, राइटिंग, गिनती करने और संख्याओं में बच्चों की योग्यताओं से सम्बन्धित जानकारी एकत्रित करती हैं। इससे उन्हें लेसन (उपदेश) तैयार करने और प्रत्येक बच्चे/बच्ची के अनुकूल शिक्षा-प्राप्ति को तैयार करने, अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों के लिए विस्तृत रूप में इसे तैयार करने और जिन विद्यार्थियों को और अधिक सहायता की ज़रूरत हो उनका समर्थन करने में मदद मिलती है।

© Department of Education, Western Australia 2015

स्कूल पर आपकी संतान द्वारा किए जाने वाले काम में रूचि लेना, कक्षा में मदद करना और स्कूली समुदाय का भाग बनना यह दर्शाता है कि आपके लिए स्कूल का क्या महत्त्व है।

हर रोज़ स्कूल जाना वास्तव में महत्वपूर्ण होता है

स्कूल में, आपकी संतान की टीचर उन कार्यक्रमों व गतिविधियों की योजना बनाती है जो पहले से सीखी गई योग्यताओं को आगे विकसित करती हैं।

किंडरगार्टन से ही नियमित रूप से स्कूल जाने की आदत डालना महत्वपूर्ण है ताकि आपकी संतान उन महत्वपूर्ण विचारों और योग्यताओं से चूक न जाए जिनकी ज़रूरत उन्हें भविष्य की शिक्षा-प्राप्ति के लिए होती है।

आप निम्नलिखित करके मदद कर सकते/सकती हैं:

- स्कूल के बारे में सकारात्मक तरीके से बात करना ताकि आपकी संतान हर रोज़ खुशी से स्कूल जाए
- आपकी संतान द्वारा स्कूल में किए जाने वाले कार्यों में रूचि दिखाना और टीचर के साथ यह बात करनी कि आप घर पर क्या कर सकते/सकती हैं
- प्ले डेट तय करना ताकि आपकी संतान को मित्र बनाने में मदद मिल सके
- अपनी संतान को यह सीखाना कि अपनी चीज़ें सांझी कैसे करनी होती हैं और बारी-बारी से अपनी बारी कैसे लेनी होती है
- समय पर स्कूल आना और स्कूल से अपनी संतान को ले जाना
- यह सुनिश्चित करना कि आपकी संतान प्रतिदिन पौष्टिक आहार का सेवन करती है और रात को पर्याप्त नींद पूरी करती है
- डॉक्टरों, डेंटिस्ट और स्पेशलिस्ट के साथ स्कूल के बाद या स्कूल की छुट्टियों के दौरान अपॉइंटमेंट बुक करना
- टर्म चलने के समय की बजाए स्कूल की छुट्टियों के दौरान परिवार के साथ छुट्टियाँ लेना।

यदि आपकी संतान अस्वस्थ है और स्कूल जाने में असक्षम है, तो टीचर को सूचित करने के लिए स्कूल टेलीफोन करें या टेक्स्ट मैसेज भेजें। यदि आपकी संतान किसी दिन स्कूल नहीं आ पाती है, तो यह पता लगाने के लिए टीचर के साथ बात करें कि आप पीछे छूट गई जानकारी अपनी संतान को देने के लिए उसकी मदद कैसे कर सकते/सकती हैं। यदि आपको अपनी संतान को स्कूल छोड़ने में कठिनाई आ रही हो, तो टीचर से बात करें।

© Department of Education, Western Australia 2015

आप घर पर क्या कर सकते/सकती हैं

- हो सकता है कि आप अपनी स्थानीय लाइब्रेरी जाना चाहें और उन किताबों को उधार पर लेना चाहें जिनमें आपके बच्चे/आपकी बच्ची की रूचि हो।
- अपनी संतान को चित्र बनाने, लिखने और कहानियाँ सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- सीखने और कार्यों को पूरा करने के लिए अपनी संतान को प्रयत्न-त्रुटि विधि का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। धैर्य बनाए रखें और उन्हें प्रयास करने दें।
- हर रोज़ अपनी संतान के साथ पढ़ने के लिए समय निकालें। इससे केवल पढ़ने की अच्छी आदत ही नहीं पड़ती, बल्कि यह परिवार के तौर पर एक साथ समय बिताने का एक बहुत बढ़िया तरीका है। अपनी संतान की पसंदीदा किताब बार-बार पढ़ें। उन्हें इस कार्य में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें संवादों के चित्रों का प्रगोग करके आपको कहानी बताने के लिए कहे। कहानी के अंत के बारे में बात करें और अपनी संतान को अपने विचार प्रकट करने के लिए बढ़ावा दें। क्या आपको एन्डिंग पसंद आई? कहानी और किस तरह समाप्त हो सकती थी?
- उन्हें लिखने और आपको यह बताने के लिए प्रोत्साहित करें कि लिखने का कारण क्या है और वे क्यों लिख रहे हैं। उदाहरणत: *मैं दादी/नानी को मेरे जन्मदिन पर मुझे भेजे कार्ड के लिए उनका शुक्रिया अदा करने के लिए उन्हें पत्र लिख रहा/रही हूँ।*
- हर रोज़ के कार्य करते समय अपनी संतान के साथ संख्याओं का प्रयोग और गिनती करने का अभ्यास करें। उदाहरणत: *दो आगंतुक हमारे यहाँ डिनर पर आने वाले हैं। हमारे परिवार में चार लोग हैं तो हमें कितनी प्लेटों की ज़रूरत होगी?*
- जब गिनती करने की ज़रूरत न हो तो कितनी वस्तुएँ हैं यह बताने के लिए अपनी संतान को उसकी संख्याओं से सम्बन्धित नई योग्यताओं का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें, उदाहरणत: आपको केवल तीन वस्तुएँ 'दिखाई' देती हैं, या यहाँ तक ही छ: चीज़ों को इस प्रकार देखें - तीन चीज़ें अलग से और तीन अलग से।
- भोजन बनाते समय, खरीददारी करते समय या नहाते समय अलग-अलग चीज़ों के अलग-अलग होने के बारे में बात करते हुए अपनी संतान के साथ मापन की खोज करें: *लम्बा* या *छोटा*, *मोटा* या *पतला*, *और हल्का* या *भारी*।
- अपनी संतान को एक कंटेनर से दूसरे कंटेनर में पानी या रेत डालने में मदद करें ताकि वे यह फैसला ले सके कि किसमें पानी या रेत ज्यादा आती है, या यह जांच-पड़ताल कर सकें क्या टेबल क्लोथ टेबल को ढकने के लिए पर्याप्त आकार का है।
- अपनी संतान को प्रकृत्ति में चीज़ों का अवलोकन करने और सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करें।
- वस्तुओं को इकट्ठा करें और इन्हें वर्गीकृत करें और आकारों, आकृतियों, स्वरूपों के बारे में और साथ ही यह बात करें कि ये महसूस होती हैं।
- फोटोग्राफ, वस्तुएं दिखाकर और कहानियाँ सुनाकर अपनी संतान के पारिवारिक इतिहास की खोज करें। अपने रिश्तेदारों के बारे में बात करें, उनका जन्म कहाँ हुआ था और जब वे आपकी संतान की आयु के थे तो जीवन कितना भिन्न था।

© Department of Education, Western Australia 2015

स्कूल में नामांकन कराते समय, यह सुनिश्चित करें कि यदि आपकी संतान को कोई एलर्जी या चिकित्सीय समस्याएँ हैं तो आप इसकी सूचना स्कूल को देते/देती हैं। यदि आपकी संतान की कोई खास ज़रूरतें हैं तो यह पता लगाने के स्कूल से संपर्क करें कि उनके पास इसके लिए क्या योजनाएँ हैं। यदि आप अपनी संतान को किसी विशेषज्ञ (स्पेशलिस्ट) को दिखा रहे/रही हैं तो टीचर के लिए भी यह जानना सहायक होता है।

आपके एवं आपकी संतान के लिए और अधिक सुझाव

अपनी संतान से बात करें

स्कूल में आपकी संतान बातचीत करने की महत्ता के बारे में सीखती है।
आपकी संतान स्कूल में क्या काम करती है इस बारे में बात करके आप अपनी संतान की मदद कर सकते/सकती हैं। उन्हें दिन के दौरान घटित घटनाओं का वर्णन या विवरण देने के लिए कहें।
यदि उन्हें कुछ सूझ न रहा हो तो उनसे और अधिक जानकारी का पता लगाने के लिए सवाल पूछें। अनिर्णीत सवाल पूछें ताकि आपकी संतान 'हाँ' या 'नहीं' से बढ़कर और जवाब दे।
उदाहरणत: *आपने स्कूल में आज जो काम किए उनमें से आपका सबसे पसंदीदा काम कौन सा था? बजाए इसके कि क्या आपको स्कूल में आज मजा आया? आपने दिन में क्या किया इस बारे में भी ज़रूरत बात करें!*

टीचर से बात करें

अपनी संतान की टीचर से नियमित संपर्क बनाकर रखें। आपके द्वारा ऐसा करने के लिए स्कूल के पास कई तरीके होते हैं। यदि आप बिना रोक-टोक अपनी संतान की टीचर से बात करना चाहते/चाहती हैं, तो इसके लिए अपॉइंटमेंट करना सबसे अच्छा रहता है।

कक्षा में योगदान दें

हो सकता है कि आपकी संतान की टीचर आपसे बच्चों को पढ़ते हुए सुनने, लिखने और कला के कार्यों में बच्चों की मदद, साथ ही खेलकूद गतिविधियों, सैर-सपाटों और विशेष समारोहों में मदद करने का निवेदन करे। आप स्कूल की पेरेंट एंड सिटीजन (P&C) एसोसिएशन में शामिल होना या स्कूल कंटीन में स्वयंसेवी काम करना भी चाह सकते/सकती हैं।

टीचरों को कला, शिल्प-कला, गणित व विज्ञान के लिए अक्सर सामग्री की ज़रूरत होती है जैसे कि बटन, रद्दी माल, सी शेल, प्लास्टिक कंटेनर और बोतलें – यह सूची अन्तहीन है! टीचर से यह जांच करें कि उन्हें किन चीज़ों की ज़रूरत है।

मिलकर पढ़ें

बच्चों को यह अच्छा लगता है कि कोई उन्हें पढ़कर सुनाए। आपके द्वारा उनके साथ मिलकर पढ़ने में बिताया गया समय आपकी संतान में किताबों और शब्दों के प्रति लगाव पैदा करता है। आप जितनी जल्दी इसकी शुरूआत करें, उतना ही बेहतर है – यदि आपकी संतान भाषा और इसके प्रयोग किए जाने के कई तरीकों से परिचित है तो वह स्कूली सफर के लिए और अधिक रूप से तैयार होगी।

आपकी स्थानीय लाइब्रेरी किताबों और पढ़ने की सामग्री का गुप्त कोष होती है – अपनी संतान को उन किताबों का चयन करने दें जिनमें उनकी रूचि हो।

© Department of Education, Western Australia 2015

ISBN 978-0-7307-4564-8

वेबसाइट: education.wa.edu.au

© Department of Education, Western Australia 2015